



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 178]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 1, 1991/वैशाख 11, 1913

No. 178]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 1, 1991/VAISAKHA 11, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तल पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मई, 1991

सा.का.नि. 250(अ) -- महापत्तन (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) नियम 1990 का प्रारूप, भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा 2 के अपेक्षानुसार, भारत सरकार के जल-भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 995(अ) तारीख 21-12-90 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उमसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति से पहले आपेक्ष और मुद्दा मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र 21-12-1990 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था,

और जनता से कोई अपेक्षा या मुद्दा प्राप्त नहीं हुए हैं,

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा

(1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

(1) संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना :-- 1. उन नियमों नाम महापत्तन (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) नियम, 1991 है।

(2) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के प्रवृत्त होंगे।

(3) वह सभी महापत्तनों पर लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :-- इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

(क) अधिनियम से भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) अभिप्रेत है,

(ख) "अनुमोदित" से सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित अभिप्रेत है,

(ग) किसी महापत्तन के संबंध में, "सक्षम प्राधिकारी" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन नियुक्त संरक्षक या किसी महापत्तन के न्यासी बोर्ड द्वारा नियुक्त किसी महापत्तन का कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है,

(घ) "अपमाजक" से सालाना, पेंशों या तेल अवशिष्ट वाले किहीं डिब्बों को साफ करने के लिए प्रयुक्त रासायनिक उत्पाद अभिप्रेत है,

- (क) "कूड़ा-कचरा" से अभिप्रेत है सभी प्रकार के ऐसे रसद घरेलू और प्रचालनीय अवशिष्ट जो किसी पोत के प्रसामान्य प्रचालन के दौरान प्रजनित हुए हैं और जिनका ऐसे पदार्थों को छोड़कर जो आई.एम.ओ. कन्वेंशन के उपबंध 1 से 4 में परिभाषित या सूचीबद्ध हैं, निरन्तर या कालिकतः व्ययन किया जाता है,
- (ख) "आई एम ओ कन्वेंशन" से समय-समय पर यथासंशोधित इंटरनेशनल मरीटाइम प्रागेनाइजेशन कन्वेंशन प्रान पिर्वेगन आफ पोल्यूशन बाई शिप्स, 1973 अभिप्रेत है,
- (ग) "अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा मार्गदर्शन" से समय-समय पर यथासंशोधित इंटरनेशनल शीवर आफ शिपिंग, ग्रायल कम्पनीज इंटरनेशनल मरिन फोरम आफ इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ पोर्ट्स एण्ड हारबर्स द्वारा प्रकाशित तेल टैंकरों और टर्मिनलों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा मार्गदर्शन अभिप्रेत है,
- (घ) "तेल प्रदूषण के निवारण पर मैन्युअल" से समय-समय पर यथासंशोधित इंटरनेशनल मरीटाइम प्रागेनाइजेशन द्वारा प्रकाशित तेल प्रदूषण के निवारण पर मैन्युअल, खण्ड 1 अभिप्रेत है,
- (ङ) "तेल" से किसी भी रूप में पेट्रोलियम (पेट्रो-रसायन से भिन्न जो आई एम ओ कन्वेंशन के उपाबंध 11 के उपबंधों के अधीन है) अभिप्रेत है और इनके अन्तर्गत आई एम ओ कन्वेंशन के उपाबंध 1 में सूचीबद्ध तेल, ईंधन, गैस स्तन प्रयुक्त और परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद और पदार्थ हैं,
- (च) "तेल मिश्रण" से किसी तेल की अस्तबस्तु से कोई मिश्रण अभिप्रेत है,
- (ट) "तेल मिक्स अभिलेख पुस्तक" से किसी जलयान के मास्टर द्वारा रखी जाने वाली वह पुस्तक अभिप्रेत है जो आई एम ओ कन्वेंशन में विदिष्ट है,
- (ठ) "प्रदूषक" के अन्तर्गत बाह्य मल कूड़ा-कचरा, मिट्टी राख, पर्यार, गन्दगी, व्यर्थ पदार्थ कचरा, रासायनिक या कोई अन्य हानिकारक अथवा अनिष्टकारी पदार्थ हैं यदि इससे काल की प्रकृति, रंग, गन्ध या पारदर्शिता पर प्रभाव पड़ता हो या इससे जल पर दृश्य प्लो भी अंश बनते हों,
- (ड) "प्रदूषित करना" से जहाज पर से किसी तेल या प्रदूषक का निकाल, विसर्जन या उसका फेंकना अभिप्रेत है,
- (ढ) "टैंकर" से ऐसा जलयान अभिप्रेत है जिस में स्पोरा रखल का अधिक भाग प्रयुज द्रव स्पोरा के ले जाने के लिए बनाया जाता है या अर्पनाया जाता है और जो तत्समय अपने स्पोरा स्थल के उस भाग में तेल को छोड़कर कोई स्पोरा नहीं ले जा रहा है ।
- (ण) "टर्मिनल" से ऐसा स्थान अभिप्रेत है जहां तेल की लदाई-या उतारने के प्रयोजन के लिए टैंकरों का लंगर खाला जाता है या उन्हें बांधा जाता है,
- (त) "टर्मिनल प्रम्यर्थी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे सक्षम प्राधिकारी ने किसी प्रचालन या ड्यूटी के लिए जिम्मेदारी उठाने के लिए इस रूप में पदाभिहित किया है,
- (थ) उन शब्दों और पदों के जो दर नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, और जो अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं ।

3. जलयानों का प्रदूषक विसर्जित न करना :—नियम 11 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, कोई भी जलयान किसी महापत्तन की सीमाओं के भीतर किसी प्रदूषक को न तो विसर्जित करेगा, न फेंकेगा, न रखेगा, न खाली करेगा या रिसने देगा अथवा न ही घाट, जेटी कम प्रोमपाट में गिराएगा ।

4. जलयानों द्वारा बैलास्ट या तेल मिश्रण विसर्जित न किया जाना :—

1. कोई जलयान किसी महापत्तन की सीमाओं के भीतर कोई बैलास्ट या तेल मिश्रण जिसमें तेल की अस्तबस्तु प्रति टन लाख 15 भागों से अधिक है, विसर्जित नहीं करेगा,

2. ऐसे किसी बैलास्ट या तेल मिश्रण का, जिसमें तेल की अस्तबस्तु प्रति टन लाख 15 भागों से अधिक हो सक्षम प्राधिकारी की लिखित विशेष अनुज्ञा से, ऐसे निर्र्धनों और शर्तों के अधीन रखते हुए जैसे अनुज्ञा में विनिश्चित किए जाए विसर्जित किया जा सकेगा ।

5. तेल और छी बैलास्टिंग की साथ-साथ लदाई :—जहां तेल और डीबेलास्टिंग का लदान साथ-साथ किया जाना हो वहां जलयान का मास्टर इस बात का समाधान करेगा कि लदान पाइप लाइन और बैलास्ट पाइप लाइनों के बीच पूर्ण प्रवृत्त है और इस संक्रिया को किसी महापत्तन की सीमाओं के भीतर जल को प्रवृत्त किए बिना किया जा रहा है ।

6. अगमार्ज्यक के प्रयोग का प्रतिषिद्ध होना :—कोई भी जलयान पैंतों या तेल के टैंकों को साफ करने के लिए किन्ही अगमार्ज्यक का प्रयोग नहीं करेगा यदि जहाज के ऊपर विसर्जित की जाने वाली धावन किसी महापत्तन की सीमाओं के भीतर तैलीय जल को अलग करने वाले उपस्कर या तेल फिल्टरकार्य उपस्कर से अथवा की जाती है या उस को प्रदूषित करती है ।

7. टैंक की धोवन को जहाज के ऊपर विसर्जित न किया जाना :—कोई भी जलयान तेल टैंक को साफ करने की संक्रियाओं या किसी भी अन्य समय जहाज के ऊपर टैंक की धोवन का विसर्जन नहीं करेगा ।

8. जलयान द्वारा किसी तेल का विसर्जित न किया जाना :—कोई भी जलयान किसी महापत्तन की सीमाओं के भीतर किसी तेल या किसी अन्य ऐसे व्यस्त्रण का, जिसमें हाइड्रोकार्बन हो, विसर्जन नहीं करेगा या उसे निकालने नहीं देगा ।

9. तैलीय पैंतों के जल का विसर्जित न किया जाना :—कोई भी जलयान किसी महापत्तन की सीमाओं के भीतर, सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना, क्षेत्रीय पैंतों वाले जल या रसायनों वाले जल के किसी मिश्रण या किसी उपाय कर पदार्थ का विसर्जन नहीं करेगा या उसे निकालने नहीं देगा ।

10. जलयानों या पूर्वनिर्धारितों का पालन किए बिना लदान प्राधि न करना :—कोई भी जलयान तेल प्रदूषण निवारण मैन्युअल और अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा मार्गदर्शन में विनिश्चित पूर्वनिर्धारितों का पालन किए बिना, किसी भी महापत्तन की सीमाओं के भीतर लदान, विसर्जन, परिवहन बैंकर, बैलास्ट या डीबेलास्ट नहीं करेगा ।

11. किसी भी महापत्तन पर तेल, प्राधि के विसर्जन की सूचना :—जहां किसी जलयान द्वारा किसी महापत्तन पर कोई तेल, जल या कोई प्रदूषक विसर्जित किया जाना हो, वहां वह सक्षम प्राधिकारी को इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप में कम से कम चौबीस घण्टे की सूचना देगा जिसमें वह उससे समुचित ग्रहण सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध करेगा ।

12. किसी पत्तन में उठरने के दौरान तेल स्पोरा पाइपलाइनों के साथ जुड़े समुद्री वाल्वों का मजबूती से बन्द किया जाना :—जलयान का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि किसी महापत्तन में जलयान के उठरने के दौरान, तेल स्पोरा पाइपलाइन से जुड़े या जुड़ने सभी समुद्री वाल्वों और जहाज के ऊपर के वाल्व मजबूती से बन्द हैं, बंधे हैं और सीलबंद हैं और

ऐसे किसी वाहक का उसके द्वारा किसी भी पर्याजन के लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्ण अनुज्ञा के बिना और जलयान की तेल अभिलेख पुस्तक में उचित प्रविष्टि किए बिना प्रचालित नहीं किया जाएगा।

13. जलयान बंकरिंग : कोई भी जलयान क्षेत्रीय बंकरिंग संक्रियाओं का आरंभ करने से कम से कम तीन घण्टे पूर्व अभिप्राप्त सक्षम प्राधिकारी की पूर्ण लिखित अनुज्ञा के बिना किसी भी महापत्तन में पाइप लाइन, बजरा टैंकर सारी या किसी अन्य साधन से बंधक नहीं डालेगा।

14. स्फोरा और बंकर होज का निरीक्षण और प्रयोग : किसी जलयान का मास्टर और टर्मिनल अभ्यर्थी, मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि जलयान से जोड़े जाने वाले स्फोरा और बंकर होज अनुमोदित किस्म और क्वालिटी के हैं जिस पर उक्त तारीख को प्रयोग के लिए विधिमान्य परीक्षण प्रमाण पत्र हो तथा मास्टर स्फोरा या बंकर होज के फट जाने के कारण हुए किसी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार होगा।

15. होज स्थित किया जाता : किसी जलयान से होजो को हटाने से पूर्व, जलयान का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि उनके सिरे ठीक प्रकार से रिक्त कर दिए गए हैं।

16. सुरक्षा जांच सूची : किसी जलयान के किसी महापत्तन में आगमन पर, ऐसे जलयान का मास्टर टर्मिनल अभ्यर्थी के साथ मिलकर, अन्तर्राष्ट्रीय मार्गदर्शन के अधीन अपेक्षित सुरक्षा जांच सूची का पालन करेगा और यदि सक्षम प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि उक्त जांच सूची में उपबंधों का पालन किया गया है, तो वह जलयान के मास्टर को स्फोरा संक्रियाओं को आरंभ करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

17. प्रदूषण जांच सूची : प्रत्येक जलयान तेल प्रदूषण निवारण मैनुअल में यथा विनिर्दिष्ट प्रदूषण जांच सूची रखेगा और ऐसे जलयान का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि प्रदूषण जांच सूची में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का हर समय पालन किया जाता है।

18. सधूल का भार : यदि कोई तेल या प्रदूषक किसी जलयान के निकट या उसके आसपास पाया जाता है तो यह साबित करने का भार कि इसका विसर्जन ऐसे जलयान से नहीं हुआ या उसने नहीं होने दिया तथा उस जलयान के मास्टर पर होगा।

19. मास्टर द्वारा अधिप्लावन को अधिसूचित करना : जलयान का मास्टर अपने जलयान से या किसी अन्य जलयान से किसी तेल के अधिप्लावन या संदूषित जल के अधिप्लावन के होने के बारे में यदि उसे ऐसे अधिप्लावन का पता चल जाता है तो वह सक्षम प्राधिकारी का शीघ्र अधिसूचित करेगा।

20. तेल का राशि में स्थानान्तरित न किया जाना : तेल कोई भी जलयान, सक्षम प्राधिकारी की पूर्ण लिखित अनुज्ञा के बिना, 6.00 बजे अपराह्न से 6.00 पूर्वाह्न के बीच तेल का किसी अन्य जलयान का स्थानान्तरण नहीं करेगा या अन्य जलयान से या किसी भी साधन द्वारा समुद्री किनारे की पाइपलाइनों (टर्मिनल के सिवाय) से तेल प्राप्त नहीं करेगा।

21. दस्तावेजों का मर्यापन या निरीक्षण : जलयान का मास्टर, सरयापन या निरीक्षण के लिए आई एम ओ सम्मेलन—पीत परिषद् अधिनियम, 1953 (1953 का 44) के अधीन जहाज पर रखे जाने के लिए अपेक्षित व्यवस्था रख गए सभी दस्तावेजों को, मंगल पर, सक्षम प्राधिकारी को उपलब्ध कराएगा।

22. मास्टर द्वारा निरीक्षण करने देना और उसमें सहयता देना : जलयान का मास्टर सक्षम प्राधिकारी को निरीक्षण करने की अनुज्ञा देगा और उसमें सहयता करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि जिसके अधिनियम में उसके अर्थन बनाए गए नियमों द्वारा अधिप्लवित प्रतिषेध निषेधन का बंधयता का पालन हो।

23. जलयानों से कूड़े-कचरे का व्यवस्थापन : 1. यदि किसी जलयान में पीत-फलक—पिट नहीं किसी किया गया है तो ऐसे जलयान

का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि जलयान के जब वह पत्तन में ठहरे, फलक धर का सारा कूड़ा-कचरा ऐसे ठके हुए इमों में जिनके कब्जदार बंधकन हो या प्लास्टिक के ब्राधानों में इकट्ठा किया जाए और प्रतिदिन ग्रहण-सुविधा तट पर ले जाया जाए।

2. जहाँ ऐसे जलयान में पीत फलक मसक फिट हुआ है, —— ऐसे जलयान का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि न तो कूड़ा-कचरा फलक पर इकट्ठा होता है और न ही जलयान के डेक पर इधर-उधर बिखरा पड़ा रहता है।

24. छूट देने की शक्ति : —इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, सक्षम प्राधिकारी अपेक्षित परिस्थितियों में और उक्त कर्णों से जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा लिखित आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों पर, यदि कोई है, जैसी वह अधिप्लवित करने के लिए उचित समझे, किसी भी पीत की इन नियमों में विनिर्दिष्ट किसी अपेक्षा से छूट दे सकेगा।

(नियम 11 देखिए)

किसी भी पत्तन पर तेल, ग्राह्य विसर्जन करने के लिए सूचना :— उप संरक्षक,

(पत्तन का नाम) पत्तन ब्यास टेलीग्रास केबल टेलिफोन नं. ——जलयान (पीत का नाम) (आगमन का प्रत्याशित समय) के पीत का नाम— (विन) ————— (तारीख) स्थानीय अधिकारी (अधिकारी का नाम) (भाषा विनिर्दिष्ट करें) तेलीय बेल्लास्ट टैंक घोबन स्लज अपेक्षित तेल कोई अन्य तेल, अर्थात् कच्चा, ईंधन तेल पेट्रोलियम उत्पाद आदि के लिए लंबाई बर्ष अरम्भत बर्ष के आगमन पर अनुपरीक्ष की ग्रहण सुविधा।

[पी.आर.-16012(1) 86पी.जी.]

प्रयोक्त जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st May, 1991

G.S.R. 250(E).—Whereas the draft of the Major Port (Prevention and Control of Pollution) Rules, 1990 was published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 with the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. 995(E) dated 21st December, 1990 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of sixty days from the date on which copies of the said notification as published in the Gazette of India are made available to the public;

And whereas copies of the said notification were made available to the public on 21st December, 1990;

And whereas no objections or suggestions were received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title, Commencement and application.— (1) These rules may be called the Major Ports (Prevention and Control of Pollution) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to all Major Ports.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908);
- (b) "approved" means approved by the competent authority;
- (c) "competent authority" in relation to a major Port means the conservator appointed under section 7 of the Act or any other officer of a major Port appointed by the Board of Trustees of a Major Port;
- (d) "garbage" means all kinds of victual domestic and operational waste, generated during the normal operation of a ship and liable to be disposed of continuously or periodically except those substances which are defined or listed in Annexures I to IV to the IMO Convention;
- (e) "detergent" means any chemical product used for cleaning tanks, bilges or any compartments containing oil residue;
- (f) "IMO Convention" means the International Maritime Organisation on prevention of Pollution by Ships 1973 as amended from time to time;
- (g) "International Safety Guide" means the International Safety Guide for oil Tankers and Terminals published by the International Chamber of Shipping, Oil Companies International Marine Forum and International Association of Ports and Harbours, as amended from time to time.
- (h) "Manual on Prevention of Oil Pollution" means the manual on Prevention of Oil Pollution section I published by the International Maritime Organisation, as amended from time to time;
- (i) "Oil mixture" means a mixture with any oil content;
- (j) "Oil record book" means the book to be maintained by the master of a vessel, which shall be as set out in the IMO Convention;
- (k) "Pollutant" includes sewage, garbage, earth, ashes, stones, rubbish, waste material, refuse, chemicals or any other harmful or noxious substance if it affects the nature, colour, smell or transparency of the water or if it forms visible floating fractions on water;
- (l) "Polluting" means escape, discharge or throwing overboard of any oil or pollutant;
- (m) "Tanker" means a vessel in which greater part of the cargo space is constructed or adopted for the carriage of liquid cargoes in bulk and which is not for the time being,

carrying a cargo other than oil in that part of its cargo space;

- (n) "Terminal representative" means the person designated as such by the competent authority to take responsibility for an operation or duty;
- (o) "terminal" means a place where tanker are berthed as moored for purpose of loading or discharging oil;
- (p) words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act, shall have the meanings assigned to them in the Act.

3. Vessels not to discharge any pollution.—Subject to the provisions of rule 11, no vessel shall discharge, throw, place, empty or allow to leak or flow or to fall to quay, jetty or pier or within the limits of a major Port any Pollutant.

4. Vessels not to discharge ballast or oil mixture.—
(1) No vessel shall discharge within the limits of a major Port any ballast or oil mixture the oil contents of which exceeds 15 parts per million.

(2) Any ballast or oil mixture the oil contents of which does not exceed 15 parts per million may be discharged with special permission in writing of the competent authority, subject to such terms and conditions as may be specified in the permit.

5. Simultaneous loading of oil and deballasting.—Where simultaneous loading of oil and deballasting are to be carried out the master of the vessel shall satisfy that there is an efficient separation between the loading pipeline and the operation is conducted without polluting any waters within the limits of a Major Port.

6. Use of detergent prohibited.—No vessels shall use any detergents to clean bilges or oil tanks if the washings to be discharged overboard is otherwise than through an oily water separating equipment or an oil filtering equipment or polluts the water within the limits of a Major Port.

7. Tank washings not to be discharged overboard.—No vessel shall during oil tank cleaning operations or any other time, discharge tank washings directly over board.

8. Vessel not to discharge any oil.—No vessel shall discharge or allow to escape any oil or any other derivative containing hydrocarbons within limits of a major port.

9. Oily bilge water not to be discharged.—No vessel shall discharge or allow to escape without written permission of the competent authority, oily bilge water or any mixture of bilge water with chemicals or any noxious substance within limits of a major port.

10. Vessel not to load etc. without observing precautions.—No vessel shall load discharge transport, bunker ballast or deballast within limits of a major port without observing the precautions specified in the manual on Prevention of Oil Pollution and the International Safety Guide.

11. Notice for discharging oil, etc. at any major port.—Where a vessel has any oil, water or any

pollutant to be discharged at any major port it shall give notice of at least twenty four hours in the form annexed to these rules to the competent authority requesting him to arrange appropriate reception facilities.

12. Sea Valves connected with oil cargo pipe lines to be tightly closed during the stay in port.—The master of a vessel shall ensure that all sea valves and overboard valves connected or capable of being connected to the oil cargo pipeline are tightly closed, lashed and sealed during the stay of the vessel in a major port and no such valves shall be operated for any purpose by him without the prior permission of the competent authority and making proper entry in the oil record book of the vessel.

13. Vessel bunkering.—No vessel shall bunker in a major port by pipelines barges, tanker lorries or by any other means without the prior written permission of the competent authority obtained atleast three hours before initiating bunkering operation.

14. Inspection and use of cargo and bunker hoses.—The master of a vessel and the terminal representative shall jointly ensure that the cargo and bunker hose to be connected to the vessel are of approved type and quality having valid test certificate for use on date and the master shall be responsible for any pollution caused due to bursting of cargo bunker hose.

15. Hoses to be blanked.—Before hoses are removed from any vessel, the master of the vessel shall ensure that the ends thereof are properly blanked.

16. Safety Check List.—On arrival of a vessel in a major port, the master of such vessel shall comply, jointly with the terminal representative with the safety check list required under the International Safety Guide and the competent authority shall, if he is satisfied that the provisions of the said check list have been complied with permit the master of the vessel to commence cargo operation.

17. Pollution Check Lists.—Every vessel shall maintain a pollution check list as specified in the Manual on Prevention of Oil Pollution and the master of such vessel shall ensure that the procedure specified in the pollution check list are complied with at all times.

18. Onus of Proof.—If any oil or pollutant is found floating near or around a vessel the onus of proving that it was not discharged or allowed to escape from such vessel shall be on the Master of the vessel.

19. Master to notify spillage.—The master of a vessel shall notify the competent authority immediately the occurrence of any oil spillage or contaminated water spillage from his own vessel or from any other vessel, if such spillage comes to his notice.

20. Oil not to be transferred during night.—No vessel shall between 6.00 p.m. and 6.00 a.m. transfer oil to another vessel or receive oil from another vessel or from shore pipelines (except at terminals) by any means without prior permission in writing of the competent authority.

21. Verification or inspection of documents.—The master of a vessel shall make available on demand to the competent authority all documents required to be maintained or kept on board by IMO Convention or by the Merchant Shipping Act 1958 (44 of 1958) for verification or inspection.

22. Master to allow and to assist inspection.—The master of a vessel shall allow on board and assist the competent authority to inspect and ensure that the prohibition restriction or obligation imposed by any Act or rules made thereunder are complied with.

23. Disposal of garbage from vessels.—(1) If any vessel is not fitted with ship-board incinerator the master of such vessel shall ensure that all garbage on board the vessel are collected in covered drums with hinged lids or plastic containers and removed ashore to the reception facility every day while it remains in the port.

(2) Where such vessel is fitted with shipboard incinerator the master of such vessel shall ensure that garbage is neither accumulated on board nor kept lying loose on the decks of the vessel.

24. Power to exempt.—Notwithstanding anything contained in these rules, the competent authority may in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing by order in writing and upon such conditions, if any, as it may think fit to impose, except any ship from any requirements specified in these rules.

FORM

(See Rule 11)

Notice for Discharging oil etc. at any Port :

The Deputy Conservator

(Name of the Port) Port Trust

Telex/Cable/Telephone Number.

Vessel (Name of the ship) (Expected time of arrival) (name of the Port) on (Day) the Date Local Agents (Name of the Agents) Request Reception Facility on arrival at Loading berth/repair berth for (Specify the quantity) Oily ballast/tank washings/sludge/waste oil/any other oil e.g. crude, fuel oil, petroleum products etc.

[PR-16012/1/86-PG]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

